नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल सांईसेज (इंडिया) का वार्षिक अधिवेशन एम्स रायपुर में संपन्न

एम्स रायपुर में 21 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2016 तक नेशनल एकेडेमी ऑफ मेडिकल सांईसेज (इंडिया) का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित हुआ। इस आयोजन की समुचित जानकारी आयोजन समिति के अध्यक्ष, प्रोफेसर डॉ. नितिन म. नागरकर, निदेशक एम्स एवं सचिव, डॉ. सूर्यप्रकाश धनेरिया, डीन एम्स ने एक प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा दी।

प्रथम दिवस 21 अक्टूबर 2016 को तम्बाकू और स्वास्थ्य पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रोफेसर डॉ. कृष्णदत्त चावली, एम्स रायपुर ने तम्बाकू के पौधे और उसके हानिकारक तत्वों के बारे में जानकारी दी। डॉ. कृष्णन आनंद, एम्स नई दिल्ली ने तम्बाकू के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की। राष्ट्रीय कैंसर संस्थान नोएडा से आये डॉ. रवि मेहरोत्रा ने तम्बाकू के सेवन से शरीर में होने वाली विभिन्न विकृतियों एवं रोगों पर प्रकाश डाला। नेशनल एकेडेमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (इंडिया) के सचिव डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव ने तम्बाकू के दुष्प्रभावों को एक्सरे, सी.टी.स्केन और एम.आर.आई. द्वारा कैसे चिन्हित किया जाए इसकी जानकारी दी। एम्स भुवनेश्वर से आये अतिथि वक्ता डॉ. प्रशांत राघब महापात्रा ने ई–सिगरेट के प्रभाव, दुरूपयोग एवं व्याधियों पर चर्चा की। प्रोफेसर डॉ. आलोक सी. अग्रवाल, विभागाध्यक्ष अस्थि रोग, एम्स रायपुर द्वारा तम्बाकू का अस्थियों पर दुष्प्रभाव एवं हड्डियों के फ्रेक्चर होने के बाद न जुड़ने पर विस्तृत चर्चा की। डॉ. संजीव मिश्रा, दिनेशक एम्स जोधपुर ने तम्बाकू युक्त बीड़ी तथा सिगरेट के सेवन से होने वाली व्याधियों का शल्य चिकित्सा द्वारा उपचार के बारे में तथा इसकी सफलता के बारे में जानकारी दी।

प्रोफेसर डॉ. नितिन म. नागरकर, निदेशक एम्स रायपुर ने तम्बाकू से होने वाले मुख, गले एवं जबड़े के कैंसर तथा उसके उपचार की विभिन्न तकनीकों पर प्रकाश डाला। एम्स में पदस्थ कैंसर रोग के विशेषज्ञ डॉ. सिद्धार्थ नंदा ने. तम्बाकूजन्य कैंसर का सिकाई से इलाज पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर डॉ. सूर्यप्रकाश धनेरिया, विभागाध्यक्ष फार्मेकोलॉजी एवं डीन एम्स रायपुर ने तम्बाकू की लत को छुड़ाने हेतु उपलब्ध दवाईयों के उपयोग पर प्रकाश डाला। डॉ. लोकेश कुमार सिंह, विशेषज्ञ मनोरोग विभाग एम्स रायपुर ने तम्बाकू की लत छुड़ाने हेतु परामर्श एवं मनोचिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर तम्बाकू की लत एव दुष्प्रभावों के उपचार हेतु उपलब्ध विधियों पर एक परिचर्चा का भी आयोजन किया गया।

प्रथम दिवस उद्घाटन समारोह में बोलते हुए डॉ. मुकुन्द जोशी, अध्यक्ष नेशनल एकेडेमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (इंडिया) ने सम्पूर्ण विश्व तम्बाकू के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जताई तथा उन्हेंने बताया कि समाज में तम्बाकू से होने वाली हारिकारक प्रभावों के बारे में शासकीय प्रयासों से ज्यादा समाज में जागरूकता लानी होगी जिससे युवा समाज तम्बाकू का सेवन स्वयं बंद करेंगे। उद्घाटन समारोह का प्रारंभ करते हुए प्रोफेसर डॉ. नितिन म. नागरकर, निदेशक, एम्स रायपुर ने सभी अतिथि वक्ताओं एवं सम्पूर्ण देश से पधारे 180 से अधिक मेडिकल

वैज्ञानिकों का अभिनंदन किया तथा उन्हें तम्बाकू के उपर होने वाले परिसंवाद के बारे में एवं त्रिदिवसीय कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम के द्वितीय दिवस नेशनल एकेडेमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (इंडिया) द्वारा चिकित्सा के क्षेत्र में हुए अनुसंधान का प्रस्तुतीकरण विभिन्न पुरस्कृत व्याख्यानों द्वारा किया गया।

आयुर्वेदिक, होमियोपैथिक, सिद्धा, यूनानी प्राकृतिक चिकित्सा तथा अन्य प्राचीन भारतीय पद्धतियों को प्रोत्साहित करने हेतु एक परिसंवाद का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. राधेश्याम शर्मा, उप कुलपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर, डॉ. शर्ली टेलिस, निदेशक, पतंजलि योगपीठ हरिद्वार, डॉ. जी.जी. गंगाधरण, डॉ. संजीव मिश्रा, निदेशक एम्स जोधपुर, डॉ. सुरेखा किशोर, एम्स रिषिकेश द्वारा विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के समन्वय पर चर्चा की। अपरान्ह नेशनल एकेडेमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (इंडिया) द्वारा वरिष्ठ चिकित्सकों को फेलोशिप तथा सदस्यता देने हेतु दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जिसमें 70 एम.ए.एम.एस., 20 एफ.ए.एम.एस. तथा एयर मार्शल डॉ. एम.एस. बोपाराई को लाईफटाईम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुंबई से आए प्रख्यात अस्थि रोग विशेषज्ञ पद्मविभूषण डॉ. एन.एस. लॉड ने चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान के महत्व पर प्रकाश डाला तथा इस हेतु शासकीय अनुदान के अलावा निजी संस्थानों के द्वारा भी जनसाधारण के कल्याण हेतु सहयोग की अपील की। 79 वर्षीय डॉ. एन.एस. लॉड तीसरी बार रायपुर आए थे एवं उन्होंने छत्तीसगढ़ के विकास की भरपूर सराहना की।

अधिवेशन के अंतिम दिन विभिन्न विद्वान वक्ताओ डॉ. अलीअम्मा मैथ्यु, डॉ. देवब्रत दास, डॉ. विश्वेश्वर भट्टाचार्य, डॉ. संजीव थॉमस, डॉ. ओ.पी.कालड़ा, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. काशीनाथ, डॉ. शेफाली गुलाटी, डॉ. जुगल किशोर ने अपने अनुसंधानों के बारे में विस्तार से चर्चा की। विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता डॉ. कमल बख्शी, डॉ. मुकुंद जोशी, डॉ. सरोज चूड़ामणी, डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव, डॉ. संजय वाधवा, डॉत्र के.के.शर्मा, डॉ. एम.एस. बोपाराई एवं डॉ. कुलदीप सिंह ने की।

कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ. आलोक सी. अग्रवाल ने इस अवसर पर बताया कि यद्यपि यह नेशनल एकेडेमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (इंडिया) का 56वां आयोजन पर पहली बार छत्तीसगढ़ मे आयोजित हुआ है। छत्तीसगढ़ में करीब 5 चिकित्सकों को एन.ए.एम.एस. की सदस्यता प्राप्त है, परंतु अभी तक फेलोशिप प्राप्त नहीं हुई है। इस तरह के आयोजन छत्तीसगढ़ के चिकित्सा क्षेत्र में गुणवत्ता बढ़ाने तथा अनुसंधान के क्षेत्र में प्रगति के लिए सहायक होंगे।